मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 171, मुंबई, शुक्रवार, 12 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर
काजू कतरी, काजू रोल
बदाम बर्फी, बदाम रोल
केसर पेड़े, पिस्ता लॉज
Order Now मिलेगा.
www.mmmithaiwala.com
+91 98208 99501
MM MITHAIWALA

महाराष्ट्र में 390 करोड़ की बेनामी संपत्ति जब्त

आयकर विभाग की टीम बाराती बनकर पहुंची, कोड वर्ड था- दुल्हनिया हम ले जाएंगे

58 करोड़ कैश मिला

मुंबई हलचल / संवाददाता

नासिक। महाराष्ट्र के जालना में आयकर विभाग ने 5 बिजनेस ग्रुप्स के ठिकानों से करीब 390 करोड़ रुपए की बेनामी संपत्ति जब्त की। रेड में इनके यहां से 58 करोड़ रुपए नकद, 32 किलो सोने के आभूषण, 16 करोड़ रुपए के हीरे, मोती मिले। आयकर विभाग की टीम को कैश गिनने में करीब 13 घंटे लग गए। कुछ कर्मचारियों की कैश गिनते-गिनते तबीयत खराब हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

जालना में फिल्मी स्टाइल में आईटी रेड

5 बिजनेस ग्रुप्स के ठिकानों पर छापे

260 अफसरों ने 7 दिन तक कार्रवाई की

आयकर विभाग की टीम 120 गाड़ियों में पहुंची

एक ही समय में सभी जगह रेड डाली गई

कपड़े की 35 थैलियों में नोटों के बंडल रखे

राखियां लेकर थाने पहुंचीं रिजवी लॉ कॉलेज की छात्राएं

पुलिस भाइयों को बांधा रक्षा सूत्र, मनाई खुशियां

संवाददाता / शाहबाज खान

मुंबई। रिजवी लॉ कॉलेज बांद्रा की प्रिय और आदरणीय निदेशक रुबीना अख्तर हसन रिजवी के अच्छे कामों से प्रेरणा लेकर रिजवी लॉ कॉलेज की छात्रों ने पुलिस अधिकारियों के साथ रक्षा-बंधन मनाने की एक विशेष पहल की, जो सही मायने में किसी भी परिस्थिति में सभी नागरिकों की रक्षा करता है। रिजवी लॉ कॉलेज के छात्रों ने बांद्रा पुलिस स्टेशन का दौरा किया और पुलिस अधिकारियों को राखी बांधी, जो इस तरह के अनोखे इशारे से बेहद खुश और अभिभूत थे।

'हर घर तिरंगा के लिए चीन से आयात किए जा रहे झंडे'

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 'हर घर तिरंगा' पहल के लिए चीन से तिरंगे आयात किए जा रहे हैं। पटोले ने कांग्रेस की 'आजादी गौरव पदयात्रा' के तहत बुलढाणा जिले में कहा, अत्याचारी ब्रितानी शासन को समाप्त करने के लिए एक लंबा संघर्ष करना पड़ा था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शिंदे गुट में बगावत के सुर !

नाराज विधायक ने सीएम से की शिकायत

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मंत्रिमंडल विस्तार करते ही शिंदे गुट और शिंदे के साथ सरकार में आए निर्दलीय विधायक नाराज हो गए हैं। धीरे-धीरे खुलकर शिंदे-फडणवीस सरकार के खिलाफ बोलने लगे हैं। अमरावती अचलपुर सीट से प्रहार के विधायक बच्चू कडू बेहद ही खफा हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिले। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

फिर बढ़ा संक्रमण

कोरोना का आतंक अगर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है, तो इस समस्या पर अलग तरह से सोचने का समय आ गया है। प्रतिदिन 16 हजार से ज्यादा मामलों का दर्ज होना तो चिंताजनक है ही, उससे भी ज्यादा गंभीर है एक-एक दिन में 50 से ज्यादा लोगों की मौत। पिछले दिनों कोरोना का भय इसलिए कम हुआ, क्योंकि कोरोना से होने वाली मौतें न्यूनतम हो गईं। किसी भी बीमारी या महामारी का आतंक वहीं तक रहता है, जहां तक मौत की आशंका रहती है। अब अगर मौतों की संख्या बढ़ने लगी, तो फिर कोरोना का आतंक भी लौट आएगा। मौसमी तौर पर भी लोगों में अस्वस्थता बढ़ी है। खांसी-जुकाम के इस समय में कोरोना भी अस्पतालों पर दबाव बढ़ाने लगा है। भारत में कुल सक्रिय मामले 1,28,261 हो गए हैं। विशेष रूप से सात राज्यों में कोविड के मामलों में अचानक वृद्धि भारत सरकार के लिए चिंता का विषय है। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने भी सात राज्यों को सतर्क किया है। दिल्ली, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु और तेलंगाना को लिखे पत्र में इशारा किया गया है कि भीड़भाड़ वाले आयोजनों से बचा जाए। इधर सामूहिक आयोजनों में वृद्धि देखी जा रही है, हर जगह भीड़ लौट आई है, पाबंदियां बीती बातें हो गई हैं। ऐसे में, स्थानीय स्तर पर मरीजों की संख्या देखते हुए पाबंदियों की वापसी में कोई हर्ज नहीं है। उन स्कूलों पर भी निगाह रखनी चाहिए, जहां मौसमी समस्याओं के अलावा कोरोना के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते रहे हैं और सभी को कोविड-अनुकूल व्यवहार बनाए रखना चाहिए, लेकिन कितने लोग सावधान हैं? शारीरिक दूरी की अनिवार्यता को खत्म समझ लिया गया है, हाथ की स्वच्छता में कमी आई है, सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचना कम हुआ है। दरअसल, समस्या यही है, बीमारी के लक्षण लेकर भी लोग घूमने निकल जा रहे हैं। हाल ही में नेपाल ने संदिग्ध भारतीय पर्यटकों को लौटा दिया है और वह भारत में बढ़ते मामलों के मद्देनजर मेहमान भारतीयों पर निगाह रखता दिख रहा है। अभी कोई देश नहीं चाहेगा कि उसके यहां बाहर से कोरोना आए। अतः जहां लक्षण वाले लोगों को यात्रा व भीड़ में जाने से रोकने की जरूरत है, वहीं अस्वस्थ महसूस कर रहे लोगों को भी घर में ही रहना चाहिए। सरकारी दिशा-निर्देश बिल्कुल स्पष्ट हैं। बुखार, सांस में तकलीफ, खांसी, सीने में जकड़न, बहती नाक, सिरदर्द, बीमार महसूस करना, न्यूमोनिया, किडनी में शिकायत, गंध की कमी (एनोस्मिया) या स्वाद की कमी (एजुसिया) को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इनमें से कोई भी शिकायत होने पर कोरोना जांच की सलाह दी गई है। कोई संदेह नहीं कि मृतकों की संख्या इसलिए भी बढ़ी होगी कि लोग जांच या इलाज में देरी कर रहे हैं। स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बावजूद कोरोना से किसी की जान चली जाए, तो यह बड़ी विफलता है। हम बेहतर सामुदायिकता का परिचय देते हुए स्वस्थ रह सकते हैं। सितंबर 2020 में पहली लहर के दौरान प्रतिदिन 98 हजार मामले आ रहे थे, मई 2021 में दूसरी लहर के दौरान प्रतिदिन के मामले 4 लाख 14 हजार से भी ऊपर पहुंच गए थे। फरवरी 2022 में तीसरी लहर के दौरान 3 लाख 47 हजार के पार पहुंच गए थे। अगर अभी चौथी लहर दिख रही है, तो प्रतिदिन मामले 20 हजार के आसपास चल रहे हैं और शायद थोड़ी-सी सावधानी से हम कोरोना को पूरी तरह काबू में कर सकते हैं।

नीतीश से चिंतित होगी भाजपा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समूचे विपक्ष को परिवारवादी और भ्रष्ट बता कर आलोचना करते रहे हैं। राहुल गांधी से लेकर के चंद्रशेखर राव, अखिलेश यादव, एमके स्टालिन, एचडी देवगौड़ा, शरद पवार, लालू प्रसाद, ममता बनर्जी आदि सारे विपक्षी नेता परिवारवादी और भ्रष्ट बताए जाते हैं। लेकिन नीतीश कुमार के बारे में ऐसा कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। वे न तो परिवारवादी हैं और न उनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऊपर से भाजपा के साथ रहते हुए भी उन्होंने अपनी छवि सांप्रदायिक नहीं होने दी है। अगर भाजपा उनके ऊपर कोई भी आरोप लगाती है तो वह पलट कर उसके ऊपर ही आएगा क्योंकि लगभग सारे समय वह उनके साथ सत्ता में साझेदार रही है।

भाजपा ने पिछले पांच साल में कई पुराने सहयोगी गंवाएं हैं। टीडीपी से लेकर शिव सेना और अकाली दल जैसी पार्टियां साथ छोड़ कर गईं। भाजपा ने उनकी परवाह नहीं की। लेकिन नीतीश कुमार और उनकी पार्टी का अलग मतलब है। उनके साथ छोड़ने से भाजपा चिंता में होगी। भले पार्टी के नेता इस चिंता का इजहार न करें लेकिन उनको पता है कि नीतीश बाकी पुराने सहयोगियों से अलग हैं। उनके साथ भाजपा ने सबसे लंबे समय तक सत्ता की साझेदारी की है। केंद्र से लेकर बिहार सरकार तक में भाजपा और जदयू करीब 20 साल तक साथ रहे हैं। नीतीश ऐसे राज्य के नेता हैं, जहां से नए राजनीतिक विमर्श बनते हैं। भाजपा नेताओं को याद होगा कि नरेंद्र मोदी के लिए भी सबसे पहले बिहार से ही आवाज उठी थी। उनके समर्थन और विरोध दोनों की सबसे बुलंद आवाज बिहार में थी। सो, नरेंद्र मोदी के तीसरे चुनाव से पहले जदयू और नीतीश कुमार का अलग होना बहुत दूरगामी असर वाला घटनाक्रम साबित होगा।

इस राजनीतिक घटनाक्रम का आकलन कई पहलुओं से करना होगा। एक पहलू बिहार की 40 लोकसभा सीटों का है। पिछले चुनाव में एनडीए ने इसमें से 39 सीटें जीती थीं। राज्य की सबसे बड़ी पार्टी राजद को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। भाजपा ने 17, जदयू ने 16 और लोक जनशक्ति पार्टी ने छह सीटें जीती थीं। पहली नजर में लगेगा कि जदयू के अलग होने से एनडीए को 17 सीटों का नुकसान हुआ है और अगले चुनाव में भी इतना ही नुकसान होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। नीतीश कुमार अलग हो जाते और 2013 की तरह अकेले चलते तब हो सकता है कि नतीजे 2014 की तरह आते, जब नीतीश की जदयू दो सीट की पार्टी रह गई थी और भाजपा के नेतृत्व में एनडीए ने 32 सीटें जीती थीं। इस बार नीतीश अलग होकर अकेले नहीं हुए हैं, बल्कि राजद के साथ गए हैं, इसलिए नतीजे 2015 के विधानसभा चुनाव की तरह हो सकते हैं, जब तमाम प्रयास के बावजूद भाजपा विधानसभा की 243 में से सिर्फ 54 सीट जीत पाई थी। सोचें, उसके पास लोकसभा की 23 सीटें थीं और विधानसभा में सिर्फ 54 सीट मिली। पूरे एनडीए को कुल 32 लोकसभा सीटें थीं और विधानसभा में सिर्फ 59 सीटें मिलीं। अगर राजद, जदयू, कांग्रेस, हम, वीआईपी और वामपंथी पार्टियां साथ रहती हैं तो संभव है कि 2024 में एनडीए दहाई में पहुंचने के लिए तरस जाए। जदयू के नेतृत्व वाले सात पार्टियों के गठबंधन का वोट जोड़ें तो 2020 के विधानसभा चुनाव में इनके पास 54 फीसदी से ज्यादा वोट थे और 2019 के लोकसभा चुनाव में 49 फीसदी के करीब वोट थे।

दूसरा आयाम बिहार से सटे दूसरे राज्यों या हिंदी पट्टी के अन्य राज्यों पर इसके असर का है। नीतीश कुमार के भाजपा से अलग होने का असर पूर्वी और उत्तरी भारत के कई राज्यों पर होगा। बिहार से सटे झारखंड को लेकर नीतीश ने पहले ही राजनीति शुरू कर दी है। उन्होंने झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो को राज्यसभा में भेजा है। यह सही है कि झारखंड के महतो या कुर्मी मतदाताओं में नीतीश का वैसा असर नहीं है। लेकिन अगर नीतीश विपक्ष का चेहरा बनते हैं और अगले चुनाव में उनके चेहरे पर चुनाव लड़ा जाता है तो झारखंड के 17-18 फीसदी के करीब महतो वोट में एक बड़ा मैसेज बनेगा। झारखंड में जेएमएम, कांग्रेस और राजद की साझा सरकार है। उनके साथ अगर जदयू जुड़ता है तो यह एक्स फैक्टर की तरह हो सकता है। राज्य की 14 में से 12 सीटें भाजपा के पास हैं। बिहार की राजनीति के असर में वह बढ़त गंवा सकती है। पूर्वी भारत के दो और राज्यों- पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भाजपा ने पिछले चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन इस बार हालात बदले होंगे। लोकसभा के बाद हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी ने अपनी स्थिति मजबूत की है। पड़ोस के तीन राज्यों- बिहार, झारखंड और ओडिशा में विपक्षी सरकार होने से उनको ताकत मिलेगी। बंगाल में प्रवासी बिहारी मतदाताओं की संख्या भी अच्छी खासी है। तीसरा पहलू धारणा का है। अब तक नरेंद्र मोदी के मुकाबले कोई नहीं दिख रहा था। कम से कम धारणा के स्तर पर लोगों के मन में यह बात बैठाई गई थी कि मोदी के मुकाबले कोई नहीं है। भाजपा ने अपनी तरफ से राहुल गांधी को दावेदार बना कर एक काल्पनिक मुकाबला बनाया हुआ है। हकीकत में राहुल दावेदार नहीं हैं। वे न तो पार्टी के अध्यक्ष हैं न कभी केंद्र में मंत्री रहे हैं, न मुख्यमंत्री रहे हैं इसके बावजूद भाजपा ने उनको दावेदार बनाया है। झूठी-सच्ची खबरें और वीडियो के जरिए उनको कम बुद्धि का नेता स्थापित किया गया है। इस तरह भाजपा अब तक एक कमजोर प्रतिद्वंद्वी खड़ा करके उससे लड़ रही थी। अगर नीतीश कुमार मुकाबले में आते हैं तो धारणा अपने आप बदल जाएगी। वे कई बरस तक केंद्र में मंत्री रहे हैं और 15 साल से ज्यादा समय से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। उनको प्रशासन का अनुभव है और वे भी 24 घंटे राजनीति करने वाले नेता हैं। सो, उनके आने से धारणा अपने आप बदल जाएगी। देयर इज नो ऑल्टरनेटिव यानी टीना फैक्टर समाप्त हो जाएगा। नीतीश उत्तर भारत के नेता हैं, प्रशासन का अनुभव है और पिछड़ी जाति से आते हैं। इतना काफी है उनको मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनाने के लिए।

चौथा पहलू यह कि नीतीश के खिलाफ हमला करने या उनका चरित्रहनन करने के लिए कुछ नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समूचे विपक्ष को परिवारवादी और भ्रष्ट बता कर आलोचना करते रहे हैं। राहुल गांधी से लेकर के चंद्रशेखर राव, अखिलेश यादव, एमके स्टालिन, एचडी देवगौड़ा, शरद पवार, लालू प्रसाद, ममता बनर्जी आदि सारे विपक्षी नेता परिवारवादी और भ्रष्ट बताए जाते हैं। लेकिन नीतीश कुमार के बारे में ऐसा कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। वे न तो परिवारवादी हैं और न उनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। ऊपर से भाजपा के साथ रहते हुए भी उन्होंने अपनी छवि सांप्रदायिक नहीं होने दी है। अगर भाजपा उनके ऊपर कोई भी आरोप लगाती है तो वह पलट कर उसके ऊपर ही आएगा क्योंकि लगभग सारे समय वह उनके साथ सत्ता में साझेदार रही है। तभी नीतीश कुमार को लेकर निश्चित रूप से भाजपा को चिंता हो रही होगी। अगर वे सिर्फ बिहार में राजनीति करें तब भाजपा को चिंता नहीं होगी लेकिन जैसे ही वे राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होंगे, भाजपा की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। उसके लिए 2024 का चुनाव मुश्किल हो जाएगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

देश में बढ़ती कमरतोड़ महंगाई को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन

महिलाओं ने जमकर लगाए नारे, गली-गली में शोर है मोदी सरकार चोर है, बीजेपी सरकार डरती है ईडी को आगे करती है

संवाददाता/समद खान

ठाणे। देश में दिन-ब-दिन बढ़ती कमरतोड़ महंगाई को लेकर जहां आम आदमी भूखमरी की कगार पर पहुंच गया है बीजेपी सरकार द्वारा जब से रोजमर्रा उपयोग की जाने वाली खाने पीने की चीजों पर जैसे दूध दही दाल चावल आटा सब्जी और बच्चों के स्कूल में उपयोग होने वाली लेखन सामग्री पेंसिल रबड़ शॉपनर पेपर पर जीएसटी लागू करने से पूरे देश का वातावरण खराब हो गया है बढ़ता पेट्रोल डीजल गैस सिलेंडर के दामों ने आम आदमी की जेब को खाली कर दिया है दिन-ब-दिन बढ़ती महंगाई के विरोध में पूरे देश में कांग्रेस पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है लेकिन बड़े अफसोस की बात है बीजेपी सरकार की कानों में जूं तक नहीं रेंग रही यह तमाम हालातों को देखते हुए ठाणे कलेक्टर कार्यालय के सामने गत 8 अगस्त सोमवार को कांग्रेस पार्टी द्वारा ठाणे जिला अध्यक्ष विक्रांत चौहान के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया पत्रकारों से बात करते हुए विक्रांत चौहान ने बताया कि आज जिस तरह से गर्मी हो रही है उससे ज्यादा गर्मी बीजेपी सरकार द्वारा महंगाई करने पर हो रही है बीजेपी सरकार के कार्यकाल में महंगाई ने आम आदमी की जिंदगी को परेशानी में डाल दिया है खाने

पीने की चीजों में जीएसटी लगाकर गरीबों के पेट पर लात मारकर और उस से होने वाली कमाई को अड़ानी और अंबानी की जेब भरी जा रही है और सरकार गिराने का काम किया जा रहा है उन्होंने बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी सरकार को देश की कोई चिंता नहीं है वह मात्र सरकार गिराने में लगी हुई है और ईडी को रामबाण स्वरूप में इस्तेमाल करके देश में बीजेपी सरकार बनाने का काम कर रही है उन्होंने बताया बढ़ती पेट्रोल डीजल गैस सिलेंडर के दामों ने महिलाओं का किचन की परिस्थिति बिगाड़ कर रख दी है बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच गई है लेकिन बीजेपी सरकार को देश की जनता की कोई चिंता नहीं है कि महंगाई के कारण आम आदमी की जीवन तहस-नहस हो गया है इस अवसर पर तमाम महिलाओं ने बढ़ती महंगाई का विरोध करते हुए सड़क पर सब्जी आटा चावल दूध दही की सामग्री लेकर बीजेपी सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया महिलाओं ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जब कांग्रेस कार्यकाल में गैस सिलेंडर 300/-रुपए का हुआ करता था उस वक्त स्मृति ईरानी ने गैस सिलेंडर को सर पर उठाकर नाचती थी कांग्रेस पार्टी का विरोध प्रदर्शन कर गैस की कीमतों को कम करने की बात कही जा रही थी अब कहां है स्मृति ईरानी नजर क्यों नहीं आती है मैडम आज गैस सिलेंडर 1100/-रुपए का हो गया है और उस पर मोदी सरकार ने खाने पीने की चीजों पर जीएसटी लगाकर हमारा किचन को पूरी तरह से खराब कर दिया है हमारे समझ में नहीं आता है कि हम घर का गुजारा कैसे करें महिलाओं ने बताया एक छोटी बच्ची द्वारा मोदी जी को पत्र लिखा गया था बच्ची ने पत्र में लिखा था कि मैं पेंसिल मांगती हूं तो मेरी मां मुझे मारती है बढ़ती महंगाई पर बौखलाई महिलाओं ने बीजेपी सरकार के विरोध में जमकर नारे लगाए बीजेपी सरकार डरती है ईडी को आगे करती है गली-गली में शोर है मोदी सरकार चोर है गौरतलब बात यह है जिस तरह से बढ़ती महंगाई को लेकर पूरे देश में कांग्रेस पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है अब देखना यह है क्या कांग्रेस का बीजेपी सरकार के विरोध मै प्रदर्शन करने से महंगाई कम होगी या बीजेपी सरकार को किसी प्रकार का कोई फर्क नहीं पड़ेगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा फिलहाल देश में बढ़ती महंगाई को लेकर हाहाकार मची हुई है और आम आदमी का जीवन पूरी तरह से तहस-नहस हो गया है अमीर आदमी और अमीर बनता चला जा रहा है गरीब आदमी और गरीब होता तो चला जा रहा है बीजेपी सरकार को बढ़ती महंगाई के तरफ अपने ध्यान को केंद्रित करना चाहिए और देश की जनता किस दौर से गुजर रही है उनके बारे में विचार करना चाहिए और देश में महंगाई किस तरह से खत्म की जाए इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

नीतीश कुमार ने तूफान खड़ा कर दिया जो भाजपा को चुनौती दे सकता है : शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारतीय जनता पार्टी से नाता तोड़कर तूफान खड़ा कर दिया है और अगर यह तूफान चक्रवात में बदल जाए तो 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए चुनौती बन सकता है। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि भाजपा ने उनकी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने भाजपा के साथ संबंध तोड़कर पलटवार किया। मराठी दैनिक ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा, जिन्होंने जून में शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी थी। उन पर तंज कसते

हुए अखबार में कहा गया है कि उन्होंने दिल्ली के सामने 'घुटने टेक दिए।' संपादकीय में कहा गया है कि उन्हें (शिंदे को) यह समझना चाहिए कि कुमार ने दिखा दिया कि वह इसके बिना जीवित रह सकते हैं। शिवसेना ने आगे कहा कि कुमार और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक लालू प्रसाद के बीच की दरार अब खत्म होनी चाहिए। संपादकीय में लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव की भी प्रशंसा की गई है, जिन्होंने 2020 में राजद के विधानसभा चुनाव अभियान का नेतृत्व किया। अखबार ने, उन्हें बिहार का 'युवा और लोकप्रिय' नेता बताया, जिन्होंने तत्कालीन भाजपा-जद (यू) गठबंधन को चुनौती दी थी। राजद और जद (यू) 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरे थे। कुमार और लालू प्रसाद के संबंधों में पिछले चार दशकों में कई उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। नीतीश कुमार ने मंगलवार को राजद से हाथ मिलाने के लिए भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) छोड़ दिया था।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र में 390 करोड़ की बेनामी संपत्ति जब्त

आयकर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, एसआरजे स्टील, कालिका स्टील, एक को-ऑपरेटिव बैंक, फाइनेंसर विमल राज बोरा, डीलर प्रदीप बोरा के फैक्ट्री, घर और दफ्तरों पर 1 से 7 अगस्त तक यह कार्रवाई की गई। इसकी जानकारी गुरुवार को मीडिया को दी गई। पूरी टीम ने बाराती बनकर शहर में एंट्री की। गाड़ियों पर शादी के स्टिकर चिपके थे। कुछ पर लिखा था- दुल्हनिया हम ले जाएंगे। यही कोड वर्ड भी था। रेड में आयकर विभाग के 260 अफसर और कर्मचारी शामिल थे, जो 120 से ज्यादा गाड़ियों में आए थे। इस ऑपरेशन को एक ही समय में पांच अलग-अलग टीमों ने अंजाम दिया। आयकर विभाग ने टैक्स चोरी की आशंका जताई थी। आयकर विभाग की टीम को शुरूआती जांच में कुछ पता नहीं चला। बाद में जालाना से 10 किलोमीटर दूर कारोबारी के एक फार्महाउस पर भी कार्रवाई की गई। यहां एक अलमारी के नीचे, बेड के अंदर और एक अन्य अलमारी में थैलों में रखे नोटों के बंडल मिले। नोटों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की लोकल ब्रॉन्च में ले जाकर गिना गया। इन्हें गिनने में 10 से 12 मशीनें लगीं। कपड़े की 35 थैलियों में नोटों के बंडल रखे गए थे। आयकर विभाग की टीम ने रेड को बेहद सीक्रेट रखा। हर तरह की एहतियात बरती गई। इसके लिए टीम ने अपनी गाड़ियों पर दूल्हे और दुल्हन के नाम के स्टिकर चिपका रखे थे, जिससे यह पता चले कि ये गाड़ियां किसी शादी में जा रही हैं। इस ऑपरेशन के दौरान सभी 'दुल्हनिया हम ले जाएंगे' कोड वर्ड में बात कर रहे थे।

'हर घर तिरंगा के लिए चीन से आयात किए जा रहे झंडे'

कांग्रेस के झंडे तले देश एकजुट था और सभी को एकसाथ लाने के कांग्रेस के विचार ने इस देश को आजादी दिलाई। स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान नहीं देने वाले लोग आज 'हर घर तिरंगा' अभियान के नाम पर कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इसके लिए चीन से तिरंगे आयात किए जा रहे हैं, जो कि स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान है। पटोले ने कहा कि जब देश आजाद हुआ तो देश में सुई तक नहीं बनती थी, लेकिन जवाहरलाल नेहरू के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत प्रगति के शिखर पर पहुंचा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी विकास को गति देकर भारत को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि उनके बाद पी वी नरसिंह राव, मनमोहन सिंह ने भी देश में विभिन्न विकास योजनाओं को लागू किया।

शिंदे गुट में बगावत के सुर! नाराज विधायक ने सीएम से की शकियात

बाद में कडू ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने की अपनी नाराजगी से मुख्यमंत्री को अवगत करा दिया हूं। कडू ने कहा कि राज्य में फिलहाल बागियों का राज है। बगावत करने वालों को पहले मंत्री पद मिलता है। ज्यादा धोखा देने वाला बड़ा नेता बनता है। बाद में बच्चू ने सफाई दी कि मैंने धोखे वाली बात बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संदर्भ में कही थी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के शपथ लेने के 40 दिनों बाद किसी तरह से मंत्रिमंडल का विस्तार किया। शिंदे और फडणवीस के 9-9 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री की शपथ ली। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को लेकर कुल 20 कैबिनेट मंत्री है, परंतु इनके विभागों का बंटवारा बुधवार की देर रात तक नहीं हुआ। उद्धव ठाकरे सरकार के साथ बगावत करने वाले शिंदे गुट और निर्दलीय विधायक मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नाराज हैं। कई लोगों ने सपने संजा रखे थे कि उन्हें भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। लेकिन उनका सपना टूट गया है। कडू ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे ने हिंदुत्व और सेवा के लिए बगावत की है। बगावत में ईमानदारी होनी चाहिए। कडू ने कहा कि मंत्री पद न मिलने को लेकर थोड़ी नाराजगी है, लेकिन इतनी भी नाराजगी नहीं है कि शिंदे गुट को छोड़ दूं। पिछली फडणवीस सरकार में मैं राज्य मंत्री था, इसलिए मुझे विश्वास था कि पहले विस्तार में मुझे मंत्री बनाया जाएगा, परंतु शिवसेना से बगावत करके शिंदे गुट में जो विधायक देरी से शामिल हुए हैं, उन्हें पहले मंत्रिमंडल विस्तार में कैबिनेट मंत्री बना दिया गया है। जो विधायक शिंदे गुट में सबसे पहले शामिल हुए थे, उन्हें शायद दूसरे मंत्रिमंडल विस्तार में मौका दिया जाएगा। कडू ने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री ने भरोसा दिया है कि वह मंत्री बनाने का वादा पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने मुझे बताया कि राज्य मंत्रिमंडल का दूसरा विस्तार सितंबर महीने में होगा। मुझे मुख्यमंत्री पर भरोसा है।

हर घर तिरंगा: मेजर जावेद खालिद

बरेली आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से मंडल आयुक्त श्रीमती सेल्वा कुमारी जे ने हरी झंडी दिखाकर जन जागरूकता रैली का शुभारंभ किया। यह रैली कमिश्नरी से प्रारंभ होकर चौकी चौराहा होते हुए बिशप मंडल इंटर कॉलेज में जाकर समाप्त हुई। जिला विद्यालय निरीक्षक श्री सोमारू प्रधान ने स्वयं अपने हाथ में तिरंगा लेकर प्रतिभाग किया तथा शहर वासियों को इस अभियान के बारे में जागरूक किया। रैली की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जैसे-जैसे रैली आगे बढ़ती गई लोग अपने आप हाथों में तिरंगा लेकर इसमें शामिल होते गए। लगभग 1 किलोमीटर लंबी श्रंखला रैली में छात्र एवं छात्राओं में देश प्रेम की भावना जागृत हुई वे देश

के इतिहास को समझने में बहुत उत्सुक थे। तिरंगा रैली में कई हजार छात्र एवं छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संयुक्त शिक्षा निदेशक अजय कुमार द्विवेदी ने बच्चों में जोशो खरोश देखकर मन अति प्रसन्न हुआ सभी छात्र एवं छात्राएं देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत दिखाई पड़े जिला विद्यालय निरीक्षक बरेली ने कहा कि आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम को गांव व शहर के प्रत्येक घर में मनाए जाने हेतु लोगों को जागरूक करने तथा इस कार्यक्रम में जन सहभागिता सुनिश्चित कराए जाने के उद्देश्य से रैली निकाली जा रही है। बेसिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस के क्रम में आने वाली 13 अगस्त से 15 अगस्त तक अपने घरों में अनिवार्य रूप से तिरंगा झंडा फहरा कर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें तथा आजादी की 75 वीं वर्षगांठ को हर्षोल्लास के साथ मनाएं। वरिष्ठ प्रवक्ता अर्थशास्त्र डॉ मेंहदी हसन ने अमृत महोत्सव जिंदाबाद, हिंदुस्तान जिंदाबाद और हर घर तिरंगा जैसे नारों से छात्रों में जोश भर दिया। इस अवसर पर मेजर जावेद खालिद, डॉ मेंहदी हसन, काजी फरहान अहमद, जगमोहन सिंह, संदीप इंदवार, राम श्री, राजीव कुमार सरिता सक्सेना डॉ दीपाली सिंह एसमैसी श्रीमती दयाल अर्चना राजपूत, नईम अहमद, चमन जहां शाहिद रजा सहित तमाम प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

एसआईपी एकेडमी ने गरीब बच्चों को शैक्षणिक सहयोग देने की घोषणा की

मुंबई। एसआईपी एकेडमी ने आज गरीब बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिये आज सामाजिक प्रभाव वाली पहलों की घोषणा की। उन्होंने बच्चों की मदद करने के महत्व पर जोर दिया, खासकर उनकी जो कि गरीब पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखते हैं। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी द्वारा कराए गए अध्ययन के अनुसार, इस महामारी ने चुनौती को और भी ज्यादा कठिन बना दिया है। मैनेजिंग डायरेक्टर, दिनेश विक्टर ने भारत में एसआईपी एकेडमी के परिचालन की 19वीं वर्षगांठ के मौके पर यह घोषणा की। एसआईपी फाउंडेशन के माध्यम से, यह संस्थान भारत में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों में कौशल विकास के लिये कई पहलों को सहयोग दे रहा है। एसआईपी फाउंडेशन के माध्यम से यह

संस्थान भारत में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों में कौशल विकास के लिये कई सारी पहलों को सहयोग दे रहा है। भारत भर में एसआईपी एकेडमी कार्यक्रमों के तहत कुल 148 एसआईपी स्टूडेंट्स, जिन्होंने महामारी के दौरान कमाई करनेवाले माता-पिता को खो दिया, उन्हें 12 महीने के पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिये उनकी मासिक फीस में शुल्क माफी की पेशकश की जा रही है। इसके अलावा, वंचित वर्गों के 225 बच्चों को 75% तक शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी। यह सहायता भारत भर के 45 एसआईपी एबेकस केंद्रों में 15 से अधिक राज्यों में उपलब्ध है। कॉरपोरेट साझेदारी के माध्यम से, एसआईपी फाउंडेशन, चेन्नई, सिरकाजी (चिदंबरम) और सिवाकासी के 7 स्कूलों में भाषा और साझरता कौशल प्रदान कर रहा है। यह फाउंडेशन शिक्षकों को प्री-प्राइमरी और प्राइमरी क्लासेस के शिक्षकों को अंग्रेजी पढ़ाने और फोनिक्स स्किल में सशक्त बनाने के लिये ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन करता है। एसआईपी फाउंडेशन बच्चों को किताबें और टीचर्स को टीचिंग टूल्स, सॉफ्टवेयर प्रोग्राम और लेसन प्लान उपलब्ध करा रहा है। इसके माध्यम से बच्चे, धाराप्रवाह अंग्रेजी बोल और लिख पाएंगे। इस प्रोग्राम के अंतर्गत 7 स्कूलों में पढ़ रहे 1000 से अधिक स्टूडेंट्स शामिल हैं। दिनेश विक्टर, मैनेजिंग डायरेक्टर-एसआईपी एकेडमी इंडिया का कहना है कि एक संस्थान के रूप में यह बच्चों में अपने कार्यक्रमों एसआईपी एबेकस (भारत के प्रमुख एबेकस ट्रेनिंग प्रोग्राम), ग्लोबलकार्ट (भारत के प्रमुख क्रिएटिव आर्ट ट्रेनिंग सेंटर्स) और माइकिड्स (एक अनूठा स्कूल आधारित अंग्रेजी भाषा प्रोग्राम) के माध्यम से जीवन कौशल विकसित करने का काम कर रहा है। एसआईपी एकेडमी बच्चों और स्कूलों को सीखने के उस अंतर को भरने में मदद करने और संख्यात्मकता, साक्षरता और बच्चों की रचनात्मक क्षमताओं का एक मजबूत आधार तैयार करने में एक अनोखी स्थिति में था।

◆ जया फाउंडेशन सामाजिक संस्था मुंबई अध्यक्षा जया छेडा के सहयोग से सचिव सौ. सुमन त्रिपाठी, रक्षा बंधन दिन के शुभ अवसर पर वर्ली पुलिस स्टेशन के सीनियर अनिल कोली को रक्षा बंधन बाधते हुए और डीलाई रोड पुलिस स्टेशन के सीनियर चंद्रमोरे को रक्षा बंधन बाधते हुए और तिरंगा दिया गया और जया फाउंडेशन सामाजिक के सहयोगी, विमला पवार, रेशमा पाण्डेय, सभी सहयोगी के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शाहपुरा में मंगल महादेव एवं शक्ति स्वरूपा माँ चामुंडा माता का भांग केसर से महाअभिषेक किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा उपखंड क्षेत्र के शक्तिपीठ माँ चामुंडा माता एवं मंगल महादेव के स्थान पर सावन के मंगलवार को विद्वान पंडित हरचंद लालोदिया द्वारा विधि विधान एवं मंत्रोचार के साथ वैदिक पद्धति से भगवान मंगल महादेव एवं शक्ति माँ चामुंडा माता का सहस्त्रधारा से महा अभिषेक किया गया। जानकारी के अनुसार शाहपुरा नगर से 15 किलोमीटर दूर ढिकोला भीमनगर स्थान पर चामुंडा माता परिसर मैं मंगल महादेव आराध्या हनुमान देवनारायण भेरू नाथ सगस देव, रोड़ा जी झुजार जीवित समाधि धूणीमाता शीतला माता एवं खजूर वाले बाबा के स्थान पर सावन के महीने मैं पूर्णिमा से पूर्व की जाने वाली पूजा अभिषेक में पंडित हरकचंद शिव भक्त महावीर मीणा पुजारी धन्ना मीणा अलोल मीणा फूली मीणा रणवीर सिंह वीर सिंह कुंदनमल मीणा भेरू मीणा डूंगर सिंह मीणा, छोटू लाल मीणा लक्ष्मण आदि श्रद्धालुओं ने जल दूध दही घी शक्कर तिल गन्ने का रस भांग केसर बेलपत्र शमी पत्र दुर्वा घास आक धतूरा सुगंधित इत्र पान का बीड़ा भस्म मिष्ठान ऋतु फल गुलाब की पंखुड़ियां गेंदे के फूल कंडील के फूल गुड़हल के फूल अगरबत्ती दीपक जनेऊ जोडा, श्रीफल सहित पूजन एवं अभिषेक की सामग्री से विधिवत मंत्रोचार के साथ त्रिपुंड धारक अभिषेक एवं चंद्रशेखर रुद्राभिषेक शिवाष्टक शिव सहस्त्रनामावली सहित अभिषेक विधि विधान एवं परंपरागत

अनुसार किया एवं शक्ति स्वरूपा चामुंडा माता के दुर्गा सप्तशती के 700 श्लोक एवं अर्गला कवच किलकम सुक्तम रहस्य आदि का हवन एवं हनुमान चालीसा सुंदरकांड का पाठ सहित विधि विधान के अनुसार सभी देव स्थानों पर अभिषेक के साथ पूजा अर्चना की एवं महा आरती के पश्चात सावन महीने मैं किया जो पूर्णिमा तक महा कन्या भोज के साथ संपन्न होगा गौरतलब है कि सावन माह में शंकर पार्वती की एक साथ पूजा विद्वान एवं विधि विधान मंत्रोचार के साथ संपन्न हुई। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

'राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) ने मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री को भेजा ज्ञापन'

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के प्रांतीय मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत ने राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं शिक्षा मंत्री बीड़ी कल्ला को ज्ञापन भेजकर शिक्षकों द्वारा अपने ही स्नातक संकाय में अतिरिक्त विषय में योग्यता अभिवृद्धि पर पदोन्नति हेतु अपात्र मानने वाले निदेशक माध्यमिक शिक्षा के आदेश का संगठन ने पुरजोर विरोध करते हुए ऐसे आदेश को अविलंब निरस्त किए जाने की मांग की मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार संघ प्रगतिशील के मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत ने राज्य सरकार को भेजे ज्ञापन में बताया है कि शिक्षकों एवं प्रयोगशाला सहायकों द्वारा अपनी शैक्षणिक योग्यता में वृद्धि कर अतिरिक्त विषय में स्नातक के तीनों वर्षों के सभी प्रश्न पत्रों को एक साथ परीक्षा देकर विश्वविद्यालय से अतिरिक्त विषय में योग्यता प्राप्त की जाती है योग्यता अभिवृद्धि को प्रोत्साहन देने की बजाय इस तर्कहीन आदेश से शिक्षक वर्ग हतोत्साहित हुआ। शिक्षक द्वारा अपने ही संकाय कसे संबंधित विषयो में ही अतिरिक्त विषय की योग्यता अभिवृद्धि की जा रही है जिससे कार्मिक अपनी पदोन्नति के अवसर अपने ही संकाय में प्राप्त करने हेतु अध्ययन करता है अतः शिक्षा विभाग समान संकाय में अतिरिक्त विषय अर्जित करने वाले शिक्षकों की पदोन्नति को जारी रखते हुए कार्मिकों को प्रोत्साहित करें तथा संबंधित संकाय में अर्जित अतिरिक्त विषय में पदोन्नति प्रदान की जानी चाहिए? शिक्षकों की कड़ी मेहनत के फलस्वरुप विश्वविद्यालय से नियमानुसार प्राप्त अतिरिक्त विषय की पदोन्नति मैं लाभ नहीं देने के हतोत्साहित करने के आदेश का संगठन ने विरोध करते हुए सरकार से मांग की है कि शिक्षकों को

प्रोत्साहन करते हुए पदोन्नति के अवसर जारी किए जाए। राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं यशस्वी शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने हाल ही आदेश जारी कर वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पदोन्नति के अवसर प्रदान करने हेतु शिक्षक एवं विद्यार्थी हित में विभिन्न संकाय के विषयो में स्नातकोत्तर योग्यता धारी शिक्षकों को राहत प्रदान करते हुए पदोन्नति हेतु स्वीकृति प्रदान की है। उसी अनुसार ऐसे तृतीय श्रेणी शिक्षकों को भी जिन्होंने अतिरिक्त विषय में योग्यता अर्जित कर ली है उन्हे एक निश्चित तिथि एवं अवधि अनुसार वरिष्ठ अध्यापक पदोन्नति हेतु पात्र मानते हुए पदोन्नति प्रदान की जावे। वरिष्ठ अध्यापक अपने वर्तमान संकाय से भी भिन्न संकाय में जैसे कला, विज्ञान, वाणिज्य वर्गो में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करके भी पदोन्नति हेतु पात्र होते हैं। जबकि तृतीय श्रेणी अध्यापक अपने वर्तमान संकाय में ही अतिरिक्त विषय में विश्वविद्यालय के नियमानुसार तीनों वर्षों का एक साथ अध्ययन कर योग्यता अर्जित करता आयाहै। समान विषय एवं समान संकाय में अतिरिक्त योग्यता वाले तर्कहीन आदेश द्वारा पदोन्नति से वंचित नहीं किया जा सकता। ऐसे सभी पात्र शिक्षकों को पदोन्नति के अवसर प्रधान करने की संगठन ने राज्य सरकार से पुरजोर शब्दों में मांग करता है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

तिरंगा यात्रा के छठे दिन शाहपुरा विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में निकली तिरंगा यात्रा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। शाहपुरा आजादी अमृत महोत्सव कि तहत घर-घर तिरंगा यात्रा अभियान को लेकर तिरंगा यात्रा के छठे दिन शाहपुरा विधानसभा के महलों के चौक से होते हुए बालाजी की छतरी सदर बाजार नया बाजार होते हुऐ चमना बावड़ी त्रिमूर्ति चोराहा बस स्टैंड होते हुए रामनिवास धाम जाकर संपन्न हुई शाहपुरा कस्बे में जगह देशभक्ति गीत बज रहे थे कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लिए हुऐ भारत माता की जय नरेंद्र मोदी जिंदाबाद आदि नारे लगाते यात्रा में चल रहे थे यात्रा में प्रदेश प्रतिनिधि राधेश्याम जीनगर वंदे मातरम जय श्रीराम भारत माता की जय नारे लगाकर कार्यकर्ताओं में उत्साह भर रहे थे तिरंगा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, जिला मंत्री हर घर तिरंगा अभियान के जिला संयोजक मनफूल चौधरी युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप शर्मा मंजू पालीवाल जमनालाल डीडवानिया भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बलराम कुमावत पूर्व पालिकाध्यक्ष कन्हैया लाल धाकड़ नगर महामंत्री खुशीराम आचार्य पार्षद राजेश खटीक स्वराज सिंह शेखावत मोहन गुर्जर अशोक छिपा किसान मोर्चा अध्यक्ष ललित गुर्जर आदि नेताओं के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा में भाग लिया हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक हनुमान धाकड़ हिंदू युवा वाहिनी के चीनू बैरागी निखिल जीनगर आदि हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता वह पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा रामनिवास धाम मैं जाकर संपन्न हुई उसके बाद जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और धन्यवाद ज्ञापित किया उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया

मुंबई हलचल/भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके तहत वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ के तहत प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट अयोध्या मंडल उपाध्यक्ष ऋषिकेश शुक्ला की अगुवाई में जनपद सुलतानपुर में आयोजित किया गया। वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित करते हुए शुक्ला ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि इस समय प्राकृति को मद्देनजर रखते हुये ही वृक्षारोपण का कार्यक्रम सुचारु रूप से सम्पन्न किया गया और सभी देशवासियों को संदेश भी दिया गया कि पर्यावरण की रक्षार्थ आमजन को सदैव तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहना चाहिए। क्योंकि प्रर्यावरण की वजह से ही मानव जीवन सुरक्षित हैं।

दोस्तों का 10 लाख करोड़ का कर्ज माफ, आम आदमी के लिए पैसा नहीं- केजरीवाल

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को एक बार फिर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला, एक डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए सीएम ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से जनता को फ्री में मिलने वाली सुविधाओं का जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। ऐसे में कहा जा रहा है कि अगर सरकारें जनता को फ्री में देगी तो सरकार कंगाल हो जाएगी। देश के लिए बहुत आफत पैदा हो जाएगी इन सारी फ्री की सुविधाओं को बंद किया जाए। दरअसल, सीएम अरविंद केजरीवाल अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाते हुए कहा कि इस सब से मेरे मन में शक पैदा होता है कि क्या केंद्र सरकार की आर्थिक हालत बहुत ज्यादा खराब तो नहीं है, पिछले 75 सालों से सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा मिल रही है सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिल रहा है तो अचानक ऐसा क्या हो गया कि इन सारी चीजों को बंद करने की बात या इनका विरोध क्यों पैदा हो गया ? क्या केंद्र सरकार की आर्थिक हालात ठीक है? दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उदाहरण देते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पहले केंद्र अग्निवीर योजना लेकर आए तो कहा गया कि सैनिकों का पेंशन बिल इतना है कि केंद्र सरकार बर्दाश्त नहीं कर पा रही। आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि केंद्र सरकार कह रही है कि हमसे सैनिकों की पेंशन बिल बर्दाश्त नहीं हो रही। आज तक किसी सरकार ने यह नहीं कहा कि देश की सुरक्षा के लिए पैसे की कमी हो गई है। सैनिकों को पेंशन देकर हम उनपर कोई एहसान नहीं करते बल्कि वह हमारी सुरक्षा के लिए अपनी जान दांव पर लगाकर एहसान करते हैं। बॉर्डर पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं। ऐसा क्या हो गया कि केंद्र सरकार सैनिकों की पेंशन का बिल भी नहीं दे पा रही।

• दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विख्यात कार्डियक सर्जन डॉक्टर राकेश वर्मा ने कानपुर में गरीबों के लिए किया सरकारी योजनाओं से सहयोग का वादा

2022-23 के अध्यक्ष और सचिव के लिए रोटरी क्लब ऑफ न्यू कानपुर ने किया भव्य समारोह

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने जन हित ऐसी अनेक योजनाओं का संचालन कर रखा है, जिसके फलस्वरूप कोई भी गरीब आदमी उस सरकारी योजना का लाभ उठाकर अपनी हार्ट सर्जरी निःशुल्क करा सकता है। और अब तक सैकड़ों लोग इसका लाभ उठा भी चुके हैं। यह जानकारी जाने-माने विशेषज्ञ और कार्डियक सर्जन यहां के हृदय रोग संस्थान में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर राकेश वर्मा ने दी। वह गेस्ट आफ ऑनर के रूप में रोटरी क्लब ऑफ न्यू कानपुर द्वारा होटल डी.एन.जी. ग्रेन्ड, में 2022 23 के लिए चुने गए नए अध्यक्ष और सचिव को कार्यभ्रा ग्रहण कराने के लिए आयोजित भव्य स्थापना समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्य अतिथि के रूप में रोटेरियन विवेक गर्ग, चन्दर रिषी तथा स्पेशल

गेस्ट एवीपी अमर उजाला गणेश तिवारी की मौजूदगी में देश प्रदेश के सुविख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ अभूतपूर्व चिकित्सकीय दक्षता वाले राष्ट्रीय स्तर के अनगिनत पुरस्कारों, प्रशस्ति प्रमाण पत्रों से सम्मानित और सर्टिफिकेट देकर भारत सरकार द्वारा भी सराहना की सर्वोच्च शब्दावली से नवाजे जा चुके प्रोफेसर डॉ राकेश कुमार वर्मा ने इस मौके पर रोटरी के साथ मिलकर गरीबों की निशुल्क हार्ट सर्जरी के मामले में हर संभव सहायता का वादा भी किया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कानपुर कार्डियोलाजी में 1997 से अब तक के सेवाकाल में आज तक एक भी दिन का अवकाश नहीं लेने वाले हृदय फेफड़ा, धमनियों का सफल ऑपरेशन कर 24 हजार से ज्यादा लोगों की जान बचा चुके, प्रतिवर्ष कम से कम 70000 हृदय रोगियों को देखकर अपनी संतोषजनक का लाभ पहुंचाने का भी रिकार्ड बनाने वाले लोकप्रिय प्रोफेसर डाक्टर राकेश वर्मा ने मुख्य अतिथि विवेक गर्ग के साथ दीप प्रज्वलन से किया। इस कार्यक्रम में वर्ष 2022-23 के लिए सोनाली भारतिया को अध्यक्ष और कविता जी को सचिव चुना गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रो0 विवेक गर्ग ने 2021-22 में रोटरी द्वारा विभिन्न उपलब्धियों के बारे में अवगत कराते हुए पूर्ण सर्मपण भाव से कार्य करके रोटरी के नाम को और ऊँचाईयों तक ले जाने तथा अधिक से अधिक लोगों को रोटरी से जोड़ने का भी आग्रह किया। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों, उपलब्धियों और मेम्बर्स के बारे में विस्तृत जानकारी से युक्त पुस्तक प्लेज का विमोचन भी किया गया।रोटेरियन राकेश तिवारी द्वारा संचालित इस कार्यक्रम के समापन की घोषणा रो0 चन्दर रिषी द्वारा की गई।

नारी जाति का सम्मान ही सही मायने में रक्षा बंधन की सार्थकता हैं: आचार्य पुनीत कुमार

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'रक्षा बंधन के सूत्र' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल में 428 वाँ वेबीनार था। वैदिक विद्वान आचार्य पुनीत जी(मेरठ) ने कहा कि नारी जाति का सम्मान करना ही रक्षा बंधन की सार्थकता है। आज व्यवसायिकता के दौर में रिश्ते कमजोर पढ़ते जा रहे हैं यह पर्व हमें अपनी जिम्मेदारी समझाने व जगाने आते हैं। रिश्तों की मिठास बनी रहे और कोर्ट कचहरी के मुकदमे कम हों यही प्रयास रहना चाहिए। इस दिन श्रावणी का पर्व मनाने की पुरातन परंपरा है वेद का पढ़ना पढ़ना सब आर्यों का परम धर्म है क केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भारत पर्वों का देश है हमारी संस्कृति हर्ष और उल्लास की संस्कृति है। भाई बहिन के प्रेम के संबंध को मजबूत बनाता है और भाई बहिन की रक्षा का संकल्प लेता है। अध्यक्ष आर्य नेता संदीप आर्य (मंत्री,आर्य समाज हापुड़) वा आनंद प्रकाश आर्य ने रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश डाला कराष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि यज्ञोपवित के तीन धागे माता, पिता व गुरु के ऋण की याद दिलाते रहते हैं कगायिका प्रवीना ठक्कर, कमला हंस, आशा आर्य, कमलेश चांदना, ईश्वर देवी, रजनी चुग, रजनी गर्ग, रचना वर्मा,विजय खुल्लर, प्रतिभा खुराना, जनक अरोरा, पिंकी आर्य, प्रतिभा कटारिया, उर्मिला आर्य, रविन्द्र गुप्ता आदि के मधुर गीत हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

हर घर तिरंगा फहराये जाने को लेकर नगरवासियों को जागरूक किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। आजादी के 75 वां वर्ष गांठ के अमृत महोत्सव पर पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लाला व अधिशासी अधिकारी एंव पुलिस के नेतृत्व में नगर पालिका केम्पस से रैली का शुभारम्भ कर आयोजन किया गया नगर पालिका कर्मियों सहित जोश खरोश के काफी उत्ताह देखने को मिला पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशों के चलते आजादी के 75 वां वर्ष गांठ के अमृत महोत्सव पर ध्यान आकर्षित करते हुए उत्साह के अमृत महोत्सव को मनाया जा रहा है हर घर तिरंगा फहराये जाने को लेकर नगरवासियों को जागरूक किया जा गया है सभी से हर घर तिरंगा का आयोजन अभियान के दौरान अपने घर राष्ट्रीय ध्वज लगाने का भी अनुरोध किया गया इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष महनाज जहाँ मकसूद लाला, नोडल अधिकारी धनी राम सैनी, शिवम कुमार, सुदेश कुमार, पंजीराम, नन्हे अली, अ० रऊफ, सल्मान अक्खू एहतराम अली, जियाउर्रहमान व पुलिस प्रशान मौजूद रहा।

15 अगस्त पर देशवासी घर घर तिरंगा फहराएं: तोमर

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय प्रमुख और दिल्ली हाई कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट राजेंद्र सिंह तोमर उर्फ राजा भईया ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि घर घर तिरंगा हर घर तिरंगा एक मुहीम नही बल्कि देश भक्ति के प्रति हर देशवासी का जूनून हैं। जब हम तिरंगे कों देखते हैं तो चाहे किसी भी धर्म या मजहब कों मानने वाले हों, दिल में देश प्रेम और देश भक्ति की एक भावना जागृत हो उठती हैं। झंडे में ऊपर केसरिया रंग हमें उन तमाम शहीदो की शाहादत याद दिलाता हैं। जिन्होंने अपने खून से बलिदान दे कर देश की रक्षा की हैं। बीच में सफेद रंग हमें अमन और

शांति की प्रेरणा देता हैं और नीचे हरा रंग देश की हरियाली और हमारा पेट भरने बाले किसानो की याद दिलाता हैं। इस झंडे मे हमें एकता में अनेकता का भाव नजर आता हैं। जब इस तिरंगे में किसी मृत सैनिक का बलिदानी शरीर लिपट कर आता हैं तो उसे देख कर हमारे अंदर भी देश के प्रति कुछ कर गुजरने का जज्बा जग उठता है। जब तिरंगे को हम लहरता हुआ देखते हैं तो सीना गर्व से चौड़ा हों जाता हैं। जब इस तिरंगे को हम सेल्यूट करते हैं तो मस्तिष्क में बिजली सी दौड़ जाती हैं। खून का बहाव स्वंय ही तेज हो जाता हैं। एक अनोखा जोश हमारे अंदर भर जाता हैं। ऐसा हैं हमारा तिरंगा, इन्ही बातों के साथ राजा भईया ने देश के सभी नागरिकों से अपील भी की हैं कि वो आने वाले पंद्रह अगस्त को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा जरुर फहराए ताकी हमारे बच्चों को आने वाली नौजवान पीढ़ी को भी एक सीख और तिरंगे के प्रति सम्मान की सोच मिल सके! साथ ही उन्होंने कहा कि जो व्यक्तिक्ति पंद्रह अगस्त को अपने यहाँ तिरंगा नही लगाएगा उससे यह स्पष्ट संदेह जायेगा कि उसे हमारे देश की आना बान और शान तिरंगे से प्यार नही और जिसे तिरंगे से प्यार नही उसे इस देश मे रहने का अधिकार नही इसलिए सभी से गुजारिश हैं की हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा कि मुहीम में शामिल हो कर एक सच्चे देश भक्त और अपनी देश भक्ति का परिचय दें एक वक्त का खाना बेशक ना खाएं पर इस बार स्वतंत्रता दिवस पर अपने घर तिरंगा अवश्य लहराएं। यह आपका फर्ज और कर्त्तव्य भी हैं।

अभी जेल में ही रहेगा 'गालीबाज' श्रीकांत त्यागी, जमानत याचिका खारिज

नोएडा। नोएडा की ओमेक्स सिटी में महिला से अभद्रता करने के मामले में गिरफ्तार हुए श्रीकांत त्यागी अभी जेल में ही रहेगा। उसकी जमानत याचिका गुरुवार को खारिज कर दी गई। धोखाधड़ी के अन्य मामले में कोर्ट ने 16 अगस्त की तारीख तय की है। ओमेक्स सिटी में श्रीकांत त्यागी का पौधा लगाने को लेकर विवाद हो गया था। इस दौरान श्रीकांत ने महिला से अभद्रता करते हुए उससे गाली-गलौज तक की थी। इसके बाद आरोपी फरार हो गया था। उसे दो दिन बाद मेरठ के परतापुर से गिरफ्तार किया गया था। ओमेक्स सिटी में श्रीकांत के कुछ साथियों ने भी उपद्रव मचाया था, जिनमें से छह लोगों को पकड़कर सोसाइटी वालों ने पुलिस के हवाले कर दिया था। उन लोगों के मामले में भी सुनवाई 16 अगस्त को होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन आयुर्वेदिक औषधियों का इस्तेमाल दूर करेगा कई बीमारियां

बदलते मौसम और लाइफस्टाइल के कारण लोगों में बीमारियां भी बढ़ती जा रहें है। एक शोध के अनुसार आज के समय में हर 10 में 8वां व्यक्ति डायबिटीज, कैंसर, अस्थमा और गठिया जैसी खतरनाक बीमारियों से पीड़ित है। कुछ लोग तो इन बीमारियों को दूर करने के लिए कई तरह की दवाइयों का सेवन करते है लेकिन ज्यादा दवाइयों का सेवन लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। दवाइयों की बजाए आप ऐसी बीमारियों को कुछ घरेलू नुस्खों से दूर करते है। आपके रसोईघर में आसानी से मिलने वाली ये आयुर्वेदिक औषधियां इन बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर तो करती है, साथ ही यह आपको कई बीमारियों से बचाती भी हैं। तो चलिए जानते है ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां, जो बिना किसी साइड इफेक्ट के आपको स्वस्थ रखेंगी और सेहत की समस्याओं को दूर भी करेगी। एसिडिटी से परेशान है तो अपनाएं ये आयुर्वेदिक उपचार

1. लेमन ग्रास

इसे चाय में डालकर पीने से शरीर, जोड़ों, सिर और मांसपेशियों के दर्द से निजात मिलती है। इसके अलावा इसकी 1 कप चाय थकावट और स्ट्रेस को भी दूर कर देती है।

2. हल्दी

एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हल्दी जोड़ों के दर्द, आर्थराइटिस, पाचन विकार, दिल और लिवर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाती है। इसके अलावा इसका सेवन शरीर में कैंसर सेल्स को मारने में मददगार होता है।

3. सफेद कमल

हैजा, पेट की बीमारियों, कब्ज और आंखों के इफेक्शन का इलाज करने के लिए सफेद कमल सबसे अच्छा है। इसके फूल, बीज और जड़ो को पीसकर खाने से यह सभी प्रॉब्लम दूर हो जाती है। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर है धतूरे का पौधा, कई बीमारियां होंगी दूर

4. पुदीना

पुदीने की पत्तियों को कच्चा खाने से खून साफ होता है। एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण इससे गले की इफेक्शन, उल्लटियां, सिरदर्द और कैविटी प्रॉब्लम से छुटकारा मिलता है।

5. मेहंदी की पत्तियां

मेहंदी की पत्तियां शरीर को डीटॉक्स करके कब्ज और यूरिन प्रॉब्लम को दूर करती है। इसके अलावा इसका सेवन छाले, अल्सर, चोट, बुखार, हैमरेज और मासिक दर्द से छुटकारा दिलाता है।

6. गुलाब

रोजाना गुलाब की पत्तियों का सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है। यह शरीर में ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाकर ब्लड प्रेशर को कम करता है। जिससे स्ट्रेस, मासिक पीड़ा, अपच और अनिद्रा की समस्याएं नहीं होती।

7. सब्जा बीज

इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होने के कारण यह इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है। फालूदा में कूलिंग एजेंट के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सब्जा बीजों का सेवन शरीर में किसी भी तरह की सूजन को दूर करता है।

8. इसबगोल

कब्ज, जोड़ों और आंतों में दर्द होने पर इसबगोल का सेवन करें। इससे आपको इन समस्याओं से तुरंत आराम मिल जाएगा

डायबिटीज को जड़ से खत्म करने के लिए करें हरे प्याज का सेवन

बदलते लाइफस्टाइल के साथ आज हर 10 में से 8 व्यक्ति डायबिटीज का शिकार है। एक शोध के अनुसार आज के समय में 4 करोड़ से अधिक लोग इस समस्या से पीड़ित हैं। गलत खान-पान और खून में शुगर की मात्रा अधिक होने पर यह बीमारी हो जाती है। लोग इसे कंट्रोल में रखने के लिए अपनी खान-पान की आदतों में सुधार से लेकर कई दवाइयों का सेवन करते है लेकिन फिर भी यह जड़ से खत्म नहीं होती। आज हम आपको डायबिटीज की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए एक असरदार तरीका बताने जा रहें हैं। हरे प्याज की मदद से आप डायबिटीज के साथ कई बीमारियों से छुटकारा पा सकते है। इससे आपकी डायबिटीज की बीमारी 7 दिन में ही खत्म हो जाएगी।

डायबिटीज के कारण

अधिक जंक फूड का सेवन
मोटापा
तनाव या डिप्रेशन
धूम्रपान या तंबाकू का सेवन
अधिक चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक पीना
अधिक मात्रा में चीनी का सेवन
जेनेटिक प्रॉब्लम

डायबिटीज के लक्षण

बार-बार पेशाब का आना
आंखों की रोशनी कम होना
ज्यादा प्यास लगना
कमजोरी महसूस होना
चोट या जख्म का देरी से भरना
हाथों, पैरों और गुप्तांगों में खुजली
भूख ज्यादा लगना
अचानक वजन कम होना
चक्कर आना
हृदय गति अनियमित होना
किडनी खराब होना

शुगर का घरेलू उपचार

इसके लिए आपको कुछ हरे प्याज को धोकर पानी में भिगो दें। इसे साफ पानी में 24 घंटे तक भीगा रहने दें। इसके बाद इस पानी को छानकर पूरा दिन इसका सेवन करें। लगातार 7 दिनों तक इस पानी को पीने से आपकी डायबिटीज की समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी। इसका सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर करवा लीजिए।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है पीपल, जानिए इसके चमत्कारी फायदे!

आजकल की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हर 10 में से 8 व्यक्ति किसी न किसी बीमारी के शिकार है। कुछ लोग तो छोटी-छोटी समस्याओं के दूर करने के लिए भी दवाइयों का सेवन ही करते है लेकिन ज्यादा दवाइयों का सेवन भी लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी बजाए आप छोटी से लेकर बड़ी समस्याओं को कुछ घरेलू तरीकों द्वारा दूर कर सकते है। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर पीपल के पेड़ के पत्ते सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है। इसका सेवन गैस, कब्ज, पेट दर्द, सांस की तकलीफ और सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा भी इसके पत्तों या छाल से अस्थमा, दिल के रोग और डायबिटीज जैसे बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर किया जा सकता है। आइए जानते है सेहत की कई समस्याओं को दूर करने वाले पीपल के फायदे।

1. सांस संबंधी समस्याएं

इसकी छाल का अंदरूनी हिस्सा निकालकर सुखा लें। इसके बाद इसे पीस कर चूर्ण बनाने के बाद दूध में उबालकर पीएं। इसका सेवन सांस संबंधी समस्याएं और अस्थमा की समस्या को दूर करता है।

2. विष का प्रभाव

किसी भी जहरीले जीव-जन्तु के काटने पर पीपल के पत्तों का रस निकाल कर इस जगहें पर डालें। इसके अलावा उस व्यक्ति को थोड़ी-थोड़ी देर बार इसका रस पीलाएं। इससे विष का असर कम हो जाएगा।

3. पेट की प्रॉब्लम

पेट में गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट दर्द, अल्सर और इफेक्शन की समस्या को दूर करने के लिए इसके ताजे पत्तों का रस रोजाना पीएं। सुबह-शाम इसका सेवन आपकी पेट की हर समस्या को दूर कर देगा।

4. त्वचा रोग

त्वचा पर होने वाली समस्याएं जैसी दाद-खाज, खुजली, रैशेज और स्किन इफेक्शन को दूर करने के लिए पीपल के पत्तों का काढ़ा बना कर पी लें। इसके अलावा फोड़े-फुंसी होने पर इसकी छाल को पीस कर घाव वाली जगहें पर लगाने से वो ठीक हो जाता है।

5. डायबिटीज

रोजाना पीपल की छाल का चूर्ण बनाकर दूध के साथ पीने से डायबिटीज का खतरा कम होता है। इसके अलावा इसके पत्तों के रस का रोजाना सेवन डायबिटीज को खत्म करता है।

6. दिल के रोग

पीपल के पत्तों सा इसकी छाल का चूर्ण बनाकर रोजाना खाने से यह शरीर को दिल के रोगों से भी दूर रखता है। इसके औषधिएं गुण दिल को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं।

7. सर्दी-जुकाम

एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर पीपल के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसमें मिश्री मिला लें। इसका सेवन करने से सर्दी, जुकाम, खांसी और कफ की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा इसका सेवन वायरल इफेक्शन को भी खत्म करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आयुष्मान खुराना की ड्रीम गर्ल बनेंगी अनन्या पांडे

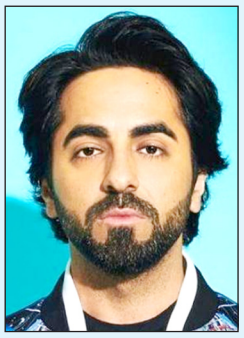

आयुष्मान खुराना और नुसरत भरुचा स्टारर ड्रीम गर्ल बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में आयुष्मान की एक्टिंग को मूवी लवर्स के साथ-साथ आलोचकों ने भी खूब पसंद किया था। फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी हिट थी। फिल्म की सक्सेस को देखते हुए फिल्म मेकर्स ने इसके सीक्वल का ऐलान भी कर दिया है। आयुष्मान की दमदार एक्टिंग ने सभी का दिल जीत लिया था इसलिए मेकर्स ने उन्हें ड्रीम गर्ल के सीक्वल में कास्ट कर लिया है वहीं फिल्म की हीरोइन की तलाश जारी है। अब तक फिल्म की फीमेल लीड के लिए अभिनेत्रियों के नाम सामने आ चुके हैं। वहीं अब इस खबर है कि फिल्म के मेकर्स आयुष्मान के अपोजिट लाइगर स्टार अनन्या पांडे को कास्ट करने का फैसला किया है। खबर के मुताबिक ड्रीम गर्ल सीक्वल के मेकर्स फिल्म में फीमेल लीड के लिए अनन्या पांडे से बातचीत कर रहे हैं। अगर अनन्या और ड्रीम गर्ल की टीम के बीच सब सही रहता है तो अनन्या और आयुष्मान पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। हालांकि अभी तक अनन्या को लेकर मेकर्स ने कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की है। बता दें कि अनन्या से पहले आयुष्मान खुराना के अपोजिट नागिन फेम तेजस्वी प्रकाश को कास्ट करने की खबरें भी सामने आई थी। मगर तेजस्वी के बाद सारा अली खान का नाम इस रोल के लिए सामने आ रहा था। कहा जा रहा है कि इस रोल के लिए मेकर्स एक यंग उत्साही गर्ल की तलाश में है और इस रोल के लिए उन्हें अनन्या पांडे फिट लग रही हैं।

बाहुबली फेम राणा दग्गुबाती के फैंस को लगा झटका

बाहुबली फेम राणा दग्गुबाती अचानक सुर्खियों में छा गए हैं। बाहुबली में नेगेटिव किरदार से लोगों पर अपनी अलग छाप छोड़ने वाले एक्टर राणा दग्गुबाती ने इंस्टाग्राम से दूरी बना ली हैं। अभिनेता के इस कदम से उनके फैंस को काफी बड़ा झटका लगा है। अभिनेता सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर है और इंस्टा पर ही उन्हें 47 लाख लोग फॉलो करते हैं। राणा दग्गुबाती ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से सारी पोस्ट डिलीट कर दी है, हालांकि उन्होंने अपने रील्स को हटाया नहीं है। वैसे राणा ने सोशल मीडिया छोड़ने का एलान कुछ दिनों पहले ही कर दिया था। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल से एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें उन्होंने इसकी जानकारी दी थी। हालांकि अपनी उस पोस्ट में एक्टर ने इस बात का जिक्र नहीं किया था कि वह ऐसा कब करने वाले हैं। ट्विटर पर उन्होंने लिखा था, काम प्रगति पर है। फिलहाल सोशल मीडिया से थोड़ी दूरी बना रहा हूं। आपको फिल्मों में नजर आउंगा। सभी को बहुत सारा प्यार और आशीर्वाद। बता दें कि हाल ही में राणा ने अपनी शादी की दूसरी एनिवर्सरी मनाई थी।

भूमि पेडनेकर के मुरीद हुए अक्की

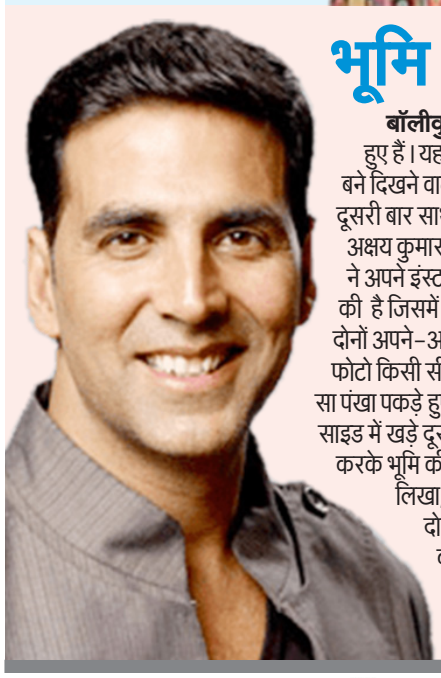

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म रक्षा बंधन को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में अक्षय चार बहनों के भाई बने दिखने वाले है वहीं उनकी प्रेमिका के किरदार में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर दिखाई देने वाली हैं। अक्षय और भूमि दूसरी बार साथ काम कर रह है फिल्म की रिलीज से पहले अक्की ने भूमि पेडनेकर की तारीफों के पुल बांधे हैं। अक्षय कुमार ने एक नोट लिखकर भूमि के काम की तारीफ की है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक इळर फोटो शेयर की है, यह तस्वीर रक्षा बंधन के सेट की है जिसमें अक्षय और भूमि पेडनेकर साथ खड़ें दिखाई दे रहे है। इस तस्वीर में दोनों अपने-अपने किरदारों में ही दिखाई दे रहे है जिसे देखकर लग रहा है कि यह फोटो किसी सीन के दौरान क्लिक की गई है। इस फोटो में भूमि अपने हाथ में छोटा सा पंखा पकड़े हुए कैमरे में देखकर मुंह बनाती दिखाई दे रही है जबकि अक्की उनके साइड में खड़े दूसरी तरफ देख रहे हैं। खास बात ये है कि अक्षय ने यह तस्वीर साझा करके भूमि की तारीफ की है। एक्टर ने पोस्ट को शेयर करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, नखरे? यहां खुद ही फैन बनना पड़ता है। मजाक से अलग ये पोस्ट दोस्त और मेरी को-एक्टर भूमि पेडनेकर की तारीफ में किया गया है। वह उस फिल्म में काम करने को राजी हो गईं, जिसका टाइटल 'रक्षा बंधन' है और इसमें चार बहनों की कहानी दिखाई गई है। यह बताता है कि एक कलाकार के रूप में वह कितनी सिक्योर हैं।